सीएचएल अस्पताल में गुर्दा प्रत्यारोपण विशेषज्ञों की टीम

गुर्दा रोग विशेषज्ञ

- डॉ. भाविन ब्रह्मभट्ट एम.डी., डी.एन.बी.
- डॉ. रुबिना वोहरा एम.डी., डी.एम.

गुर्दा रोग सर्जन

- डॉ. सौरभ जुल्का एम.एस., डी.एन.बी.
- डॉ. सिद्धार्थ त्यागी एम.एस., एम.सी.एच.

संपर्क

- सुनिल यादव - 89899 39935

CHL-Group of Hospitals
inspiring health

CHL-Hospitals
A.B. Road, Near L.I.G. Square, Indore - 452 008 (M.P.)
Phone : (0731) 4774444, 2549090
E-mail : info@chlhospitals.com ● Website : www.chlhospitals.com
24 Hours Helpline : (0731) 2547676

CHL-Medical Center
Nanakheda, Hari Phatak Bypass (Mahakal Road),
Ujjain-456 002 (M.P.)
Phone : (0734) 2534000, 2534141
E-mail : ujjain@chlhospitals.com

CHL-CBCC Cancer Center
142, Phadnis Colony, A.B. Road, Indore - 452 008 (M.P.)
Phone : (0731) 4774122 ● E-mail : cbcc@chlhospitals.com

CHL-Jain Diwakar Hospital
Sagod Road, Ratlam-457 001 (M.P.)
Phone : (07412) 244881, 244882, 244885
E-mail : ratlalm@chlhospitals.com

&

CHL-Institute of Paramedical Sciences
INDORE
C/o CHL-Hospitals
A.B. Road, Near L.I.G. Square, Indore - 452 008 (M.P.)
Phone : (0731) 4774147-48
E-mail : info@chlhospitals.com

CHL-Hospitals
inspiring health

Department of Organ Transplantation
अंग प्रत्यारोपण विभाग

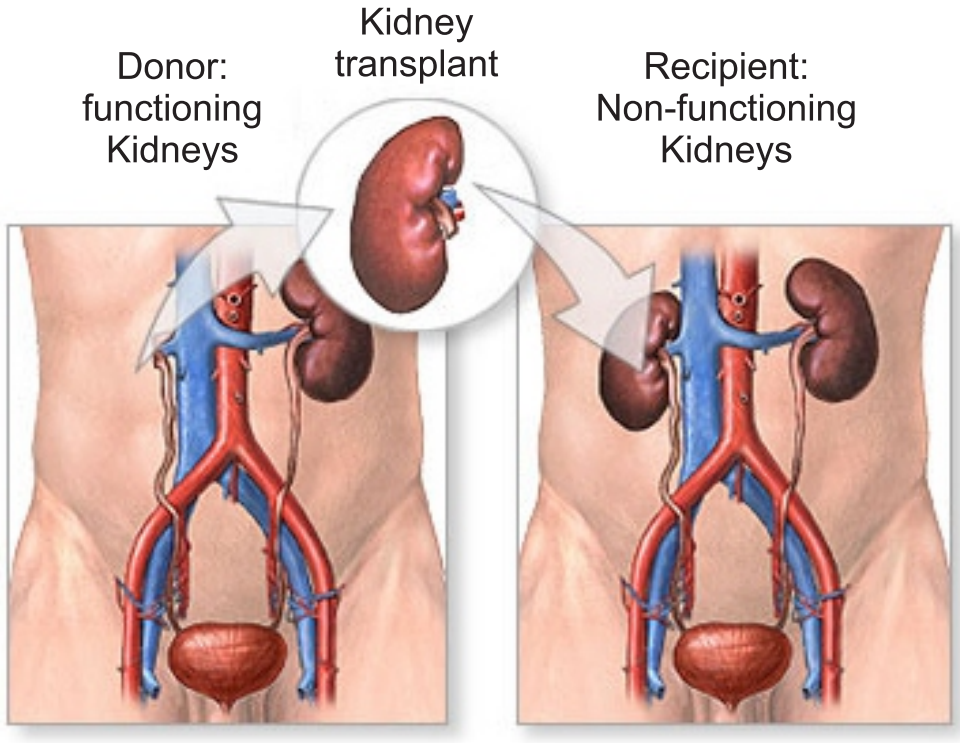

किडनी ट्रांसप्लांट

जब किसी व्यक्ति के गुर्दे काम करना बंद कर देते है या कम कर देते है, तो एक स्वस्थ किडनी का कार्य करने हेतु दो ही प्रकार का इलाज हो सकता है, वह है डायलिसिस अथवा किडनी ट्रांसप्लांट (गुर्दा प्रत्यारोपण)। यह बात प्रचलित है कि गुर्दा प्रत्यारोपण के पश्चात मरीजों की जिन्दगी की गुणवत्ता ज्यादा अच्छी होती है बजाय उन मरीजों के जो कि डायलिसिस पर होते है।

यह इसलिये संभव है क्योंकि प्रत्यारोपण के पश्चात मरीजों को ज्यादा आजादी महसूस होती है (चूँकि डायलिसिस पर समय खर्च नहीं करना होता है)। मरीज को ज्यादा ताकत महसूस होती है एवं भोजन का परहेज भी कम करना पड़ता है। शोध में यह पाया गया है कि गुर्दा प्रत्यारोपण के मरीज डायलिसिस पर चलने वाले मरीजों से अधिक समय जीवित रहते है।

गुर्दा प्रत्यारोपण क्या होता है ?

1. **लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण** (जीवित व्यक्ति द्वारा किये गये गुर्दा दान के पश्चात) - जब एक जीवित व्यक्ति अपनी दोनों स्वस्थ किडनियों में से एक गुर्दा दान करता है तब ऐसी शल्यक्रिया को लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण कहा जाता है।
2. **डिसिज्ड डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण** (मृत व्यक्ति (केडेवर) द्वारा किये गये गुर्दा दान के पश्चात) - ऐसे व्यक्ति जिन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया हो एवं उनके परिवार वाले अंग दान करने की इच्छा प्रकट करते है एवं स्वीकृति देते हैं, ऐसे व्यक्तियों द्वारा किये गये गुर्दा दान के पश्चात होने वाले प्रत्यारोपण को डिसिज्ड डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण कहा जाता है।

एक बार गुर्दा रोग विशेषज्ञ ने गुर्दा प्रत्यारोपण के लिये सलाह दे दी तो केडेवरीक किडनी प्राप्त करने के लिये आपका नाम उस अस्पताल की वेटिंग लिस्ट में रजिस्टर कर दिया जायेगा।

केडेवरी किडनी प्राप्त करने के लिये काफी समय इंतजार करना पड़ सकता है एवं इस दौरान आपको डायलिसिस जारी रखना जरूरी है। जितना समय आप ऐसी किडनी का इंतजार कर रहे होते है, आपकी कुछ जरूरी जाँचे नियमित रूप से होते रहना चाहिये ताकि आप प्रत्यारोपण के लिये तैयार रहें।

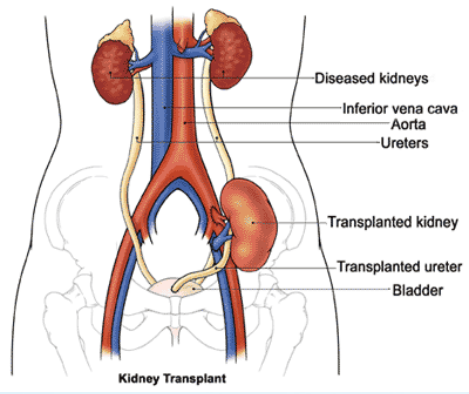

Kidney Transplant

लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण

1. गुर्दा दान कौन कर सकता है ?

दान किया गया गुर्दा, गुर्दा रोग से पीड़ित मरीज के रिश्तेदार (खून के रिश्ते से जुड़े हुए रिश्तेदार जैसे कि माता-पिता, भाई या बहन) अथवा ऐसे रिश्तेदारों से जिनसे खून का रिश्ता नहीं है जैसे कि पति या पत्नी से प्राप्त किया जा सकता है।

2. लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण के फायदे क्या है ?

- जीवित अंग दाता से प्राप्त की हुई किडनी, केडेवरीक किडनी के मुकाबले में ज्यादा दिन तक चलती है यानि ज्यादा दिनों तक अच्छा कार्य करती है, यह पहला फायदा है।
- दूसरा फायदा यह है कि शल्यक्रिया अपनी सुविधा अनुसार तय समय पर की जा सकती है एवं किडनी मिलने का इंतजार नहीं करना पड़ता है। कुछ शोध में यह पाया गया है कि यदि गुर्दा प्रत्यारोपण बीमारी पता लगते ही किया जाये तो लम्बे समय तक मरीज स्वस्थ रहता है।
- यदि किसी रिश्तेदार ने (खून के रिश्ते से जुड़े हुए) किडनी दान की है तो ऐसी किडनी का रिजेक्ट (अस्वीकार) होना कम पाया गया है।
- केवल एक ही नुकसान है कि जीवित अंगदाता को अपनी एक स्वस्थ किडनी शल्यक्रिया द्वारा देना पड़ती है।

3. लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण द्वारा दान किये गये गुर्दे के प्रत्यारोपण के पूर्व की आवश्यकताएँ

गुर्दा दान के लिये इच्छा एवं किसी भी तरह की दबाव के बिना सहमति

अंग दाता का पूर्ण चेकअप (स्वास्थ्य परीक्षण एवं जरुरी जाँचे जैसे कि लेबोरेटरी एवं रेडियोलॉजिकल जाँचें जिससे यह पता लग सके कि अंग दाता स्वस्थ है।

ऑथोराइजेशन कमेटी द्वारा इजाजत।

4. पेयर्ड किडनी डोनेशन

पेयर्ड किडनी डोनेशन का विकल्प तब काम आता है जब एक मरीज हो, जिनके जीवित अंगदाता का ब्लड ग्रुप उनसे (मरीज के ब्लड ग्रुप से) मेल नहीं खाता हो परंतु वे दूसरे मरीज के ब्लड ग्रुप से मेल खाते है ऐसी परिस्थिति में अंगदाता एक दूसरे के मरीज को गुर्दा दान करते है। यानि आपका रिश्तेदार किसी और प्राप्तकर्ता को एवं प्राप्तकर्ता का रिश्तेदार आपको/आपके मरीज को गुर्दा दान करते है।

5. ब्लड ग्रुप एबीओ इनकम्पेटीबल (असंगत) किडनी प्रत्यारोपण –

जब अंगदाता का ब्लड ग्रुप प्राप्तकर्ता से मेल नहीं खाता है तब ऐसी अवस्था को इनकम्पेटीबल (असंगत) ब्लड ग्रुप कहा जाता है। ऐसी परिस्थिति में प्रत्यारोपण विशेषज्ञ कुछ विशेष तरीको द्वारा अंग प्राप्तकर्ता के शरीर को कम संवेदनशील बनाते है ताकि किडनी अस्वीकार ना हो।

सीएचएल अस्पताल में प्रत्यारोपण की सुविधाएँ

1. लिविंग डोनर किडनी ट्रांसप्लांट-ब्लड रिलेटीव द्वारा दान किये गये गुर्दे का प्रत्यारोपण
2. डिसिज्ड डोनर ट्रांसप्लांट-केडेवरीक (ब्रेन डेड) अंगदाता द्वारा दान किये गये गुर्दे का प्रत्यारोपण
3. एबीओ इनकम्पेटीबल (असंगत ब्लड ग्रुप) गुर्दा प्रत्यारोपण
4. पेयर्ड किडनी डोनेशन

सीएचएल अस्पताल की गुर्दा प्रत्यारोपण की टीम प्रतिबद्ध है अपने मरीजों की प्रत्यारोपण के दौरान संपूर्ण देखभाल के लिये। यह टीम पूरे प्रत्यारोपण के दौरान अंगदाता एवं अंग प्राप्तकर्ता दोनों के ही मध्य समन्वय स्थापित करती है। ताकि मरीज एवं उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की मानसिक, आर्थिक तथा अन्य कोई असुविधा न हो। प्रत्यारोपण को लेकर के हमारे बनाए हुए प्रोटोकॉल स्थापित है। संक्षेप में कहे तो वह मरीज जिन्हे गुर्दा रोग है उन्हे इलाज के कई विकल्प देते है। इन मरीजों को उनके जीवन की एक किस्त और बढ़ाने में हमें संतुष्टी मिलती है।

सीएचएल अस्पताल में गुर्दा प्रत्यारोपण विशेषज्ञों की टीम

गुर्दा रोग विशेषज्ञ

- डॉ. भाविन ब्रह्मभट्ट एम.डी., डी.एन.बी.
- डॉ. रुबिना वोहरा एम.डी., डी.एम.

गुर्दा रोग सर्जन

- डॉ. सौरभ जुल्का एम.एस., डी.एन.बी.
- डॉ. सिद्धार्थ त्यागी एम.एस., एम.सी.एच.

संपर्क

- सुनिल यादव - 89899 39935

CHL-Group of Hospitals
inspiring health

CHL-Hospitals
A.B. Road, Near L.I.G. Square, Indore - 452 008 (M.P.)
Phone : (0731) 4774444, 2549090
E-mail : info@chlhospitals.com ● Website : www.chlhospitals.com
24 Hours Helpline : (0731) 2547676

CHL-Medical Center
Nanakheda, Hari Phatak Bypass (Mahakal Road),
Ujjain-456 002 (M.P.)
Phone : (0734) 2534000, 2534141
E-mail : ujjain@chlhospitals.com

CHL-CBCC Cancer Center
142, Phadnis Colony, A.B. Road, Indore - 452 008 (M.P.)
Phone : (0731) 4774122 ● E-mail : cbcc@chlhospitals.com

CHL-Jain Diwakar Hospital
Sagod Road, Ratlam-457 001 (M.P.)
Phone : (07412) 244881, 244882, 244885
E-mail : ratlalm@chlhospitals.com

&

CHL-Institute of Paramedical Sciences
INDORE
C/o CHL-Hospitals
A.B. Road, Near L.I.G. Square, Indore - 452 008 (M.P.)
Phone : (0731) 4774147-48
E-mail : info@chlhospitals.com

CHL-Hospitals
inspiring health

Department of Organ Transplantation
अंग प्रत्यारोपण विभाग

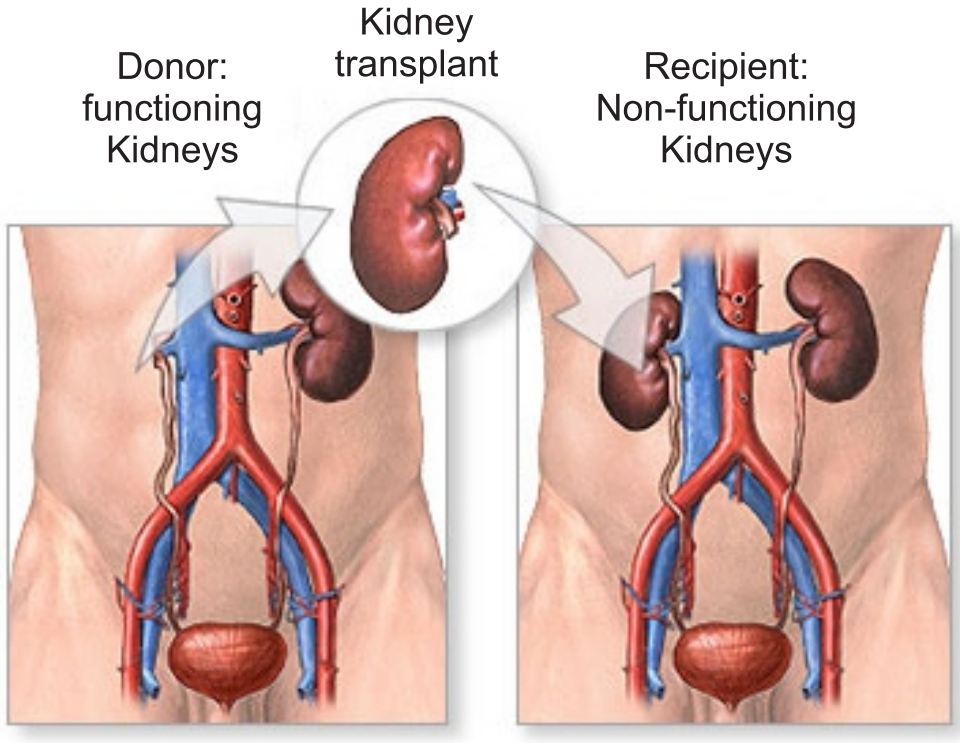

किडनी ट्रांसप्लांट

जब किसी व्यक्ति के गुर्दे काम करना बंद कर देते है या कम कर देते है, तो एक स्वस्थ किडनी का कार्य करने हेतु दो ही प्रकार का इलाज हो सकता है, वह है डायलिसिस अथवा किडनी ट्रांसप्लांट (गुर्दा प्रत्यारोपण)। यह बात प्रचलित है कि गुर्दा प्रत्यारोपण के पश्चात मरीजों की जिन्दगी की गुणवत्ता ज्यादा अच्छी होती है बजाय उन मरीजों के जो कि डायलिसिस पर होते है।

यह इसलिये संभव है क्योंकि प्रत्यारोपण के पश्चात मरीजों को ज्यादा आजादी महसूस होती है (चूँकि डायलिसिस पर समय खर्च नहीं करना होता है)। मरीज को ज्यादा ताकत महसूस होती है एवं भोजन का परहेज भी कम करना पड़ता है। शोध में यह पाया गया है कि गुर्दा प्रत्यारोपण के मरीज डायलिसिस पर चलने वाले मरीजों से अधिक समय जीवित रहते है।

गुर्दा प्रत्यारोपण क्या होता है ?

1. **लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण** (जीवित व्यक्ति द्वारा किये गये गुर्दा दान के पश्चात) - जब एक जीवित व्यक्ति अपनी दोनों स्वस्थ किडनियों में से एक गुर्दा दान करता है तब ऐसी शल्यक्रिया को लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण कहा जाता है।
2. **डिसिज्ड डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण** (मृत व्यक्ति (केडेवर) द्वारा किये गये गुर्दा दान के पश्चात) - ऐसे व्यक्ति जिन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया हो एवं उनके परिवार वाले अंग दान करने की इच्छा प्रकट करते है एवं स्वीकृति देते हैं, ऐसे व्यक्तियों द्वारा किये गये गुर्दा दान के पश्चात होने वाले प्रत्यारोपण को डिसिज्ड डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण कहा जाता है।

एक बार गुर्दा रोग विशेषज्ञ ने गुर्दा प्रत्यारोपण के लिये सलाह दे दी तो केडेवरीक किडनी प्राप्त करने के लिये आपका नाम उस अस्पताल की वेटिंग लिस्ट में रजिस्टर कर दिया जायेगा।

केडेवरी किडनी प्राप्त करने के लिये काफी समय इंतजार करना पड़ सकता है एवं इस दौरान आपको डायलिसिस जारी रखना जरूरी है। जितना समय आप ऐसी किडनी का इंतजार कर रहे होते है, आपकी कुछ जरूरी जाँचे नियमित रूप से होते रहना चाहिये ताकि आप प्रत्यारोपण के लिये तैयार रहें।

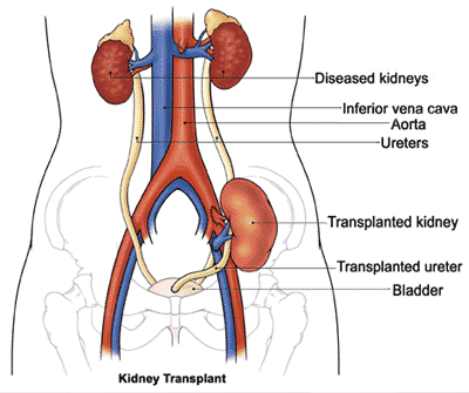

Kidney Transplant

लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण

1. **गुर्दा दान कौन कर सकता है ?**

   दान किया गया गुर्दा, गुर्दा रोग से पीड़ित मरीज के रिश्तेदार (खून के रिश्ते से जुड़े हुए रिश्तेदार जैसे कि माता-पिता, भाई या बहन) अथवा ऐसे रिश्तेदारों से जिनसे खून का रिश्ता नहीं है जैसे कि पति या पत्नी से प्राप्त किया जा सकता है।

2. **लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण के फायदे क्या है ?**

   - जीवित अंग दाता से प्राप्त की हुई किडनी, केडेवरीक किडनी के मुकाबले में ज्यादा दिन तक चलती है यानि ज्यादा दिनों तक अच्छा कार्य करती है, यह पहला फायदा है।
   - दूसरा फायदा यह है कि शल्यक्रिया अपनी सुविधा अनुसार तय समय पर की जा सकती है एवं किडनी मिलने का इंतजार नहीं करना पड़ता है। कुछ शोध में यह पाया गया है कि यदि गुर्दा प्रत्यारोपण बीमारी पता लगते ही किया जाये तो लम्बे समय तक मरीज स्वस्थ रहता है।
   - यदि किसी रिश्तेदार ने (खून के रिश्ते से जुड़े हुए) किडनी दान की है तो ऐसी किडनी का रिजेक्ट (अस्वीकार) होना कम पाया गया है।
   - केवल एक ही नुकसान है कि जीवित अंगदाता को अपनी एक स्वस्थ किडनी शल्यक्रिया द्वारा देना पड़ती है।

3. **लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण द्वारा दान किये गये गुर्दे के प्रत्यारोपण के पूर्व की आवश्यकताएँ**

   गुर्दा दान के लिये इच्छा एवं किसी भी तरह की दबाव के बिना सहमति

   अंग दाता का पूर्ण चेकअप (स्वास्थ्य परीक्षण एवं जरुरी जाँचे जैसे कि लेबोरेटरी एवं रेडियोलॉजिकल जाँचें जिससे यह पता लग सके कि अंग दाता स्वस्थ है।

   ऑथोराइजेशन कमेटी द्वारा इजाजत।

4. **पेयर्ड किडनी डोनेशन**

   पेयर्ड किडनी डोनेशन का विकल्प तब काम आता है जब एक मरीज हो, जिनके जीवित अंगदाता का ब्लड ग्रुप उनसे (मरीज के ब्लड ग्रुप से) मेल नहीं खाता हो परंतु वे दूसरे मरीज के ब्लड ग्रुप से मेल खाते है ऐसी परिस्थिति में अंगदाता एक दूसरे के मरीज को गुर्दा दान करते है। यानि आपका रिश्तेदार किसी और प्राप्तकर्ता को एवं प्राप्तकर्ता का रिश्तेदार आपको/आपके मरीज को गुर्दा दान करते है।

5. **ब्लड ग्रुप एबीओ इनकम्पेटीबल (असंगत) किडनी प्रत्यारोपण** – जब अंगदाता का ब्लड ग्रुप प्राप्तकर्ता से मेल नहीं खाता है तब ऐसी अवस्था को इनकम्पेटीबल (असंगत) ब्लड ग्रुप कहा जाता है। ऐसी परिस्थिति में प्रत्यारोपण विशेषज्ञ कुछ विशेष तरीको द्वारा अंग प्राप्तकर्ता के शरीर को कम संवेदनशील बनाते है ताकि किडनी अस्वीकार ना हो।

सीएचएल अस्पताल में प्रत्यारोपण की सुविधाएँ

1. लिविंग डोनर किडनी ट्रांसप्लांट-ब्लड रिलेटीव द्वारा दान किये गये गुर्दे का प्रत्यारोपण
2. डिसिज्ड डोनर ट्रांसप्लांट-केडेवरीक (ब्रेन डेड) अंगदाता द्वारा दान किये गये गुर्दे का प्रत्यारोपण
3. एबीओ इनकम्पेटीबल (असंगत ब्लड ग्रुप) गुर्दा प्रत्यारोपण
4. पेयर्ड किडनी डोनेशन

सीएचएल अस्पताल की गुर्दा प्रत्यारोपण की टीम प्रतिबद्ध है अपने मरीजों की प्रत्यारोपण के दौरान संपूर्ण देखभाल के लिये। यह टीम पूरे प्रत्यारोपण के दौरान अंगदाता एवं अंग प्राप्तकर्ता दोनों के ही मध्य समन्वय स्थापित करती है। ताकि मरीज एवं उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की मानसिक, आर्थिक तथा अन्य कोई असुविधा न हो। प्रत्यारोपण को लेकर के हमारे बनाए हुए प्रोटोकॉल स्थापित है। संक्षेप में कहे तो वह मरीज जिन्हे गुर्दा रोग है उन्हे इलाज के कई विकल्प देते है। इन मरीजों को उनके जीवन की एक किस्त और बढ़ाने में हमें संतुष्टी मिलती है।

सीएचएल अस्पताल में गुर्दा प्रत्यारोपण विशेषज्ञों की टीम

गुर्दा रोग विशेषज्ञ

- डॉ. भाविन ब्रह्मभट्ट एम.डी., डी.एन.बी.
- डॉ. रुबिना वोहरा एम.डी., डी.एम.

गुर्दा रोग सर्जन

- डॉ. सौरभ जुल्का एम.एस., डी.एन.बी.
- डॉ. सिद्धार्थ त्यागी एम.एस., एम.सी.एच.

संपर्क

- सुनिल यादव - 89899 39935

CHL-Group of Hospitals
inspiring health

CHL-Hospitals
A.B. Road, Near L.I.G. Square, Indore - 452 008 (M.P.)
Phone : (0731) 4774444, 2549090
E-mail : info@chlhospitals.com ● Website : www.chlhospitals.com
24 Hours Helpline : (0731) 2547676

CHL-Medical Center
Nanakheda, Hari Phatak Bypass (Mahakal Road),
Ujjain-456 002 (M.P.)
Phone : (0734) 2534000, 2534141
E-mail : ujjain@chlhospitals.com

CHL-CBCC Cancer Center
142, Phadnis Colony, A.B. Road, Indore - 452 008 (M.P.)
Phone : (0731) 4774122 ● E-mail : cbcc@chlhospitals.com

CHL-Jain Diwakar Hospital
Sagod Road, Ratlam-457 001 (M.P.)
Phone : (07412) 244881, 244882, 244885
E-mail : ratlalm@chlhospitals.com

&

CHL-Institute of Paramedical Sciences
INDORE
C/o CHL-Hospitals
A.B. Road, Near L.I.G. Square, Indore - 452 008 (M.P.)
Phone : (0731) 4774147-48
E-mail : info@chlhospitals.com

CHL-Hospitals
inspiring health

Department of Organ Transplantation
अंग प्रत्यारोपण विभाग

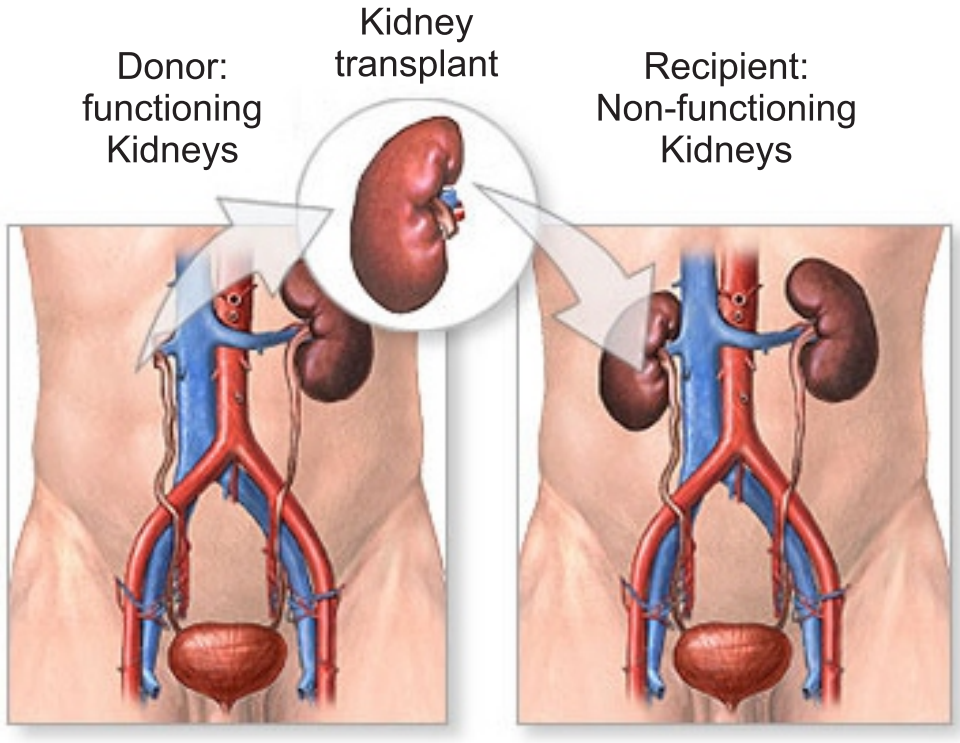

किडनी ट्रांसप्लांट

जब किसी व्यक्ति के गुर्दे काम करना बंद कर देते है या कम कर देते है, तो एक स्वस्थ किडनी का कार्य करने हेतु दो ही प्रकार का इलाज हो सकता है, वह है डायलिसिस अथवा किडनी ट्रांसप्लांट (गुर्दा प्रत्यारोपण)। यह बात प्रचलित है कि गुर्दा प्रत्यारोपण के पश्चात मरीजों की जिन्दगी की गुणवत्ता ज्यादा अच्छी होती है बजाय उन मरीजों के जो कि डायलिसिस पर होते है।

यह इसलिये संभव है क्योंकि प्रत्यारोपण के पश्चात मरीजों को ज्यादा आजादी महसूस होती है (चूँकि डायलिसिस पर समय खर्च नहीं करना होता है)। मरीज को ज्यादा ताकत महसूस होती है एवं भोजन का परहेज भी कम करना पड़ता है। शोध में यह पाया गया है कि गुर्दा प्रत्यारोपण के मरीज डायलिसिस पर चलने वाले मरीजों से अधिक समय जीवित रहते है।

गुर्दा प्रत्यारोपण क्या होता है ?

1. **लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण** (जीवित व्यक्ति द्वारा किये गये गुर्दा दान के पश्चात) - जब एक जीवित व्यक्ति अपनी दोनों स्वस्थ किडनियों में से एक गुर्दा दान करता है तब ऐसी शल्यक्रिया को लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण कहा जाता है।
2. **डिसिज्ड डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण** (मृत व्यक्ति (केडेवर) द्वारा किये गये गुर्दा दान के पश्चात) - ऐसे व्यक्ति जिन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया हो एवं उनके परिवार वाले अंग दान करने की इच्छा प्रकट करते है एवं स्वीकृति देते हैं, ऐसे व्यक्तियों द्वारा किये गये गुर्दा दान के पश्चात होने वाले प्रत्यारोपण को डिसिज्ड डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण कहा जाता है।

एक बार गुर्दा रोग विशेषज्ञ ने गुर्दा प्रत्यारोपण के लिये सलाह दे दी तो केडेवरीक किडनी प्राप्त करने के लिये आपका नाम उस अस्पताल की वेटिंग लिस्ट में रजिस्टर कर दिया जायेगा।

केडेवरी किडनी प्राप्त करने के लिये काफी समय इंतजार करना पड़ सकता है एवं इस दौरान आपको डायलिसिस जारी रखना जरूरी है। जितना समय आप ऐसी किडनी का इंतजार कर रहे होते है, आपकी कुछ जरूरी जाँचे नियमित रूप से होते रहना चाहिये ताकि आप प्रत्यारोपण के लिये तैयार रहें।

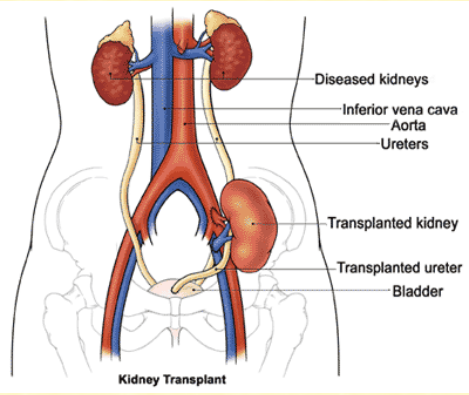

Kidney Transplant

लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण

1. गुर्दा दान कौन कर सकता है ?

दान किया गया गुर्दा, गुर्दा रोग से पीड़ित मरीज के रिश्तेदार (खून के रिश्ते से जुड़े हुए रिश्तेदार जैसे कि माता-पिता, भाई या बहन) अथवा ऐसे रिश्तेदारों से जिनसे खून का रिश्ता नहीं है जैसे कि पति या पत्नी से प्राप्त किया जा सकता है।

2. लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण के फायदे क्या है ?

- जीवित अंग दाता से प्राप्त की हुई किडनी, केडेवरीक किडनी के मुकाबले में ज्यादा दिन तक चलती है यानि ज्यादा दिनों तक अच्छा कार्य करती है, यह पहला फायदा है।
- दूसरा फायदा यह है कि शल्यक्रिया अपनी सुविधा अनुसार तय समय पर की जा सकती है एवं किडनी मिलने का इंतजार नहीं करना पड़ता है। कुछ शोध में यह पाया गया है कि यदि गुर्दा प्रत्यारोपण बीमारी पता लगते ही किया जाये तो लम्बे समय तक मरीज स्वस्थ रहता है।
- यदि किसी रिश्तेदार ने (खून के रिश्ते से जुड़े हुए) किडनी दान की है तो ऐसी किडनी का रिजेक्ट (अस्वीकार) होना कम पाया गया है।
- केवल एक ही नुकसान है कि जीवित अंगदाता को अपनी एक स्वस्थ किडनी शल्यक्रिया द्वारा देना पड़ती है।

3. लिविंग डोनर गुर्दा प्रत्यारोपण द्वारा दान किये गये गुर्दे के प्रत्यारोपण के पूर्व की आवश्यकताएँ

गुर्दा दान के लिये इच्छा एवं किसी भी तरह की दबाव के बिना सहमति

अंग दाता का पूर्ण चेकअप (स्वास्थ्य परीक्षण एवं जरुरी जाँचे जैसे कि लेबोरेटरी एवं रेडियोलॉजिकल जाँचें जिससे यह पता लग सके कि अंग दाता स्वस्थ है।

ऑथोराइजेशन कमेटी द्वारा इजाजत।

4. पेयर्ड किडनी डोनेशन

पेयर्ड किडनी डोनेशन का विकल्प तब काम आता है जब एक मरीज हो, जिनके जीवित अंगदाता का ब्लड ग्रुप उनसे (मरीज के ब्लड ग्रुप से) मेल नहीं खाता हो परंतु वे दूसरे मरीज के ब्लड ग्रुप से मेल खाते है ऐसी परिस्थिति में अंगदाता एक दूसरे के मरीज को गुर्दा दान करते है। यानि आपका रिश्तेदार किसी और प्राप्तकर्ता को एवं प्राप्तकर्ता का रिश्तेदार आपको/आपके मरीज को गुर्दा दान करते है।

5. **ब्लड ग्रुप एबीओ इनकम्पेटीबल (असंगत) किडनी प्रत्यारोपण** – जब अंगदाता का ब्लड ग्रुप प्राप्तकर्ता से मेल नहीं खाता है तब ऐसी अवस्था को इनकम्पेटीबल (असंगत) ब्लड ग्रुप कहा जाता है। ऐसी परिस्थिति में प्रत्यारोपण विशेषज्ञ कुछ विशेष तरीको द्वारा अंग प्राप्तकर्ता के शरीर को कम संवेदनशील बनाते है ताकि किडनी अस्वीकार ना हो।

सीएचएल अस्पताल में प्रत्यारोपण की सुविधाएँ

1. लिविंग डोनर किडनी ट्रांसप्लांट-ब्लड रिलेटीव द्वारा दान किये गये गुर्दे का प्रत्यारोपण
2. डिसिज्ड डोनर ट्रांसप्लांट-केडेवरीक (ब्रेन डेड) अंगदाता द्वारा दान किये गये गुर्दे का प्रत्यारोपण
3. एबीओ इनकम्पेटीबल (असंगत ब्लड ग्रुप) गुर्दा प्रत्यारोपण
4. पेयर्ड किडनी डोनेशन

सीएचएल अस्पताल की गुर्दा प्रत्यारोपण की टीम प्रतिबद्ध है अपने मरीजों की प्रत्यारोपण के दौरान संपूर्ण देखभाल के लिये। यह टीम पूरे प्रत्यारोपण के दौरान अंगदाता एवं अंग प्राप्तकर्ता दोनों के ही मध्य समन्वय स्थापित करती है। ताकि मरीज एवं उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की मानसिक, आर्थिक तथा अन्य कोई असुविधा न हो। प्रत्यारोपण को लेकर के हमारे बनाए हुए प्रोटोकॉल स्थापित है। संक्षेप में कहे तो वह मरीज जिन्हे गुर्दा रोग है उन्हे इलाज के कई विकल्प देते है। इन मरीजों को उनके जीवन की एक किस्त और बढ़ाने में हमें संतुष्टी मिलती है।